(All Copyrights are Reserved)

DEPARTMENT OF DISTANCE EDUCATION
PUNJABI UNIVERSITY, PATIALA

SYLLABUS

M. A. (HINDI) PART-I (ANNUAL)

2011 & 2012 EXAMINATIONS

इस भाग में विद्यार्थियों को कुल चार पत्रों का अध्ययन करना होगा। प्रथम तीन पत्र अनिवार्य होंगे। चौथे पत्र में चार विकल्प रहेंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को केवल एक ही विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करना होगा। पत्राचार विभाग से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक पत्र कुल 80 अंक का होगा और 20 अंक की इण्टरनल एसेस्मैंट होगी। विभाग द्वारा केवल विकल्प चार का अध्ययन कराया जाएगा।

पत्रों की रूपरेखा

पत्र एक	:	हिन्दी पद्य
पत्र दो	:	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
पत्र तीन	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
पत्र चार	:	वैकल्पिक अध्ययन :
		विकल्प चार : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी विशेष अध्ययन

पत्र एक : हिन्दी पद्य

कुल अंक : 80 समय : तीन घण्टे
इण्टरनल एसेस्मेंट : 20 पास प्रतिशत : 35

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (केवल 175-200 पद) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. रामचरितमानस – तुलसीदास (केवल सुन्दर काण्ड) गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह (प्रथम 50 दोहे)
4. कामायनी – जयशंकर प्रसाद (केवल चिंता सर्ग, श्रद्धा सर्ग और आनंद सर्ग)
5. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि : अज्ञेय – सम्पादक विद्यानिवास मिश्र – 20 कविताएं – कतकी पूनो, आज थका हिय हारिल मेरा, बावरा अहेरी, सवेरे उठा तो धूप खिली थी, झरने के लिए, जीवन–मर्म, नया–कवि : आत्म स्वीकार, शब्द और सत्य, बड़े शहर का एक साक्षात्कार, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कन्हाई ने प्यार किया, देहरी पर, अन्तः सलिला, कितनी नावों में कितनी बार, पत्थर का घोड़ा, कभी अब, न जाने केहि भेस, मेरे देश की आंखे, वासुदेव प्याला।
6. संसद से सड़क तक – धूमिल कुल–सात कविताएं–कविता, अकाल–दर्शन, मोचीराम, नक्सलबाड़ी, मुनासिब कारवाही, भाषा की रात, पटकथा।

छात्रों व परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

यह पेपर तीन भागों में विभाजित होगा। पहला प्रश्न व्याख्या से संबंधित होगा, जो अनिवार्य होगा। निर्धारित सभी छः पाठ्य पुस्तकों में से व्याख्या के लिए अंश दिए जाएंगे, प्रत्येक दो पुस्तकों के अंशों के बीच 'अथवा' के रूप में शत–प्रतिशत विकल्प दिया जाएगा। परीक्षक पेपर बनाते समय विशेष ध्यान रखें कि शत–प्रतिशत विकल्प केवल 'अथवा' के साथ ही होगा। दूसरे भाग में सभी छः पाठ्य पुस्तकों में से तीन दीर्घ प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ होंगे किन्तु प्रत्येक खण्ड की दो पुस्तकों से प्रश्न 'अथवा' के रूप में पूछे जाएंगे। तीसरे भाग में आठ लघु प्रश्न सभी पुस्तकों से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

व्याख्या भाग : 7x3=21
तीन दीर्घ प्रश्न : 9x3=27
आठ लघु प्रश्न : 4x8=32

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत।
2. कबीर का लोकतात्विक चिंतन – सुखविन्दर कौर बाठ।
3. कबीर – संपा. विजेयन्द्र स्नातक।
4. तुलसीदास – संपा. उदयभानु सिंह।
5. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
6. बिहारी वाग्विभूति – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र।
7. बिहारी की साहित्य साधना – डॉ. हरवंशलाल शर्मा।
8. कामायनी में काव्य, संस्कति और दर्शन : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
9. कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन – गजानन माधव मुक्तिबोध।
10. निराला – रामविलास शर्मा।
11. निराला – मूल्यांकन – सम्पादक इन्द्रनाथ मदान।
12. अज्ञेय : चिन्तन और साहित्य – प्रेम सिंह।
13. अज्ञेय : सजन और संघर्ष – डॉ. रामकमल राय।
14. धूमिल की काव्य कला – डॉ. सुधाकर शेंडगे।
15. कटघरे का कवि धूमिल – गणेश तुलसीदास अष्टेकर।

पत्र दो : भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

कुल अंक : 80 समय : तीन घण्टे

इण्टरनल एसेस्मेंट : 20 पास प्रतिशत : 35

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड (क) : भाषा विज्ञान–सिद्धांत पक्ष–भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा की प्रवतियां, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण। अर्थ विज्ञान : अर्थ–परिवर्तन, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार) अर्थ–परिवर्तन के कारण।

खण्ड (ख) : ध्वनि–विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि–नियम–ग्रिम नियम, ग्रासमैन–नियम, बर्नर–नियम।

खण्ड (ग) : लिपि की उत्पत्ति, विकास, प्रकार। संसार की प्रमुख लिपियां, भारतीय लिपियां, लिपि की उपयोगिता और उसकी शक्ति। देवनागरी लिपि : विशेषताएं, सीमाएं, सुधार।

खण्ड (घ) : भारोपीय परिवार की आधुनिक आर्य भाषाएं। हिन्दी क्षेत्र तथा उसकी बोलियां। हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास। हिन्दी भाषा की शब्द रचना, शब्द भण्डार और वाक्य सरंचना – वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद और वाक्य विश्लेषण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र में प्रत्येक खण्ड से 'अथवा' रूपी विकल्प सहित दो–दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार परीक्षार्थी चारों खण्डों से चार दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देगा।

   अंक : 12x4=48

2. पांचवें प्रश्न में इस पत्र के पूरे पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कुल आठ लघु प्रश्न बिना किसी विकल्प के होंगे, जिनके उत्तर पाँच–छः पंक्तियों तक सीमित होंगे। अंक : 4x8=32

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – डा. धीरेन्द्र वर्मा।
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा।
4. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना।
5. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी – सुनीति कुमार चैटर्जी।
6. हिन्दी भाषा : विकास के सोपान – महेन्द्रपाल शर्मा।

पत्र तीन : हिन्दी साहित्य का इतिहास

कुल अंक : 80 समय : तीन घण्टे

इण्टरनल एसेस्मेंट : 20 पास प्रतिशत : 35

खण्ड (क) : साहित्य का इतिहास, आधार–सामग्री, काल–विभाजन, नामकरण, साहित्य के इतिहास की पुनर्लेखन की समस्या। आदिकाल की परिस्थितियां, प्रमुख कवि और प्रवतियां।

खण्ड (ख) : भक्ति काल की परिस्थितियां, प्रवतियां, निर्गुण–सगुण मत और उनका आधार–दर्शन, प्रमुख कवि और उनकी कतियां, उपलब्धियां, स्वर्ण युग मानने के आधार।

खण्ड (ग) : रीतिकाल : नामकरण विषयक वाद–विवाद, परिस्थितियां, प्रवतियां (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध काव्य)। प्रमुख कवि और उनकी कतियां।

खण्ड (घ) : आधुनिक काल : परिस्थितियां।

काव्य खण्ड : भारतेन्दु, द्विवेदी, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता (पष्ठभूमि, परिचय, प्रवत्तियां तथा उपलब्धियां)।

गद्य खण्ड : प्रमुख विशेषताएं – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना (उद्भव और विकास)।

गद्य की नवीन विधाएं : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज (सामान्य परिचय)।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जायेंगे। पहले स्तर पर चारों खण्डों से 'अथवा' रूपी विकल्प सहित दो–दो प्रश्नों के साथ आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघु प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनका उत्तर पाँच–छः पंक्तियों में देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न : 12x4=48

आठ लघु प्रश्न : 4x8=32

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डा. नगेन्द्र।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डा. रामकुमार वर्मा।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डा. रामसजन पाण्डेय।

पत्र चार : (विकल्प-चार)

हजारीप्रसाद द्विवेदी विशेष अध्ययन

कुल अंक : 80 समय : तीन घण्टे

इण्टरनल एसेस्मेंट : 20 पास प्रतिशत : 35

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. बाणभट्ट की आत्मकथा।
2. सिक्ख गुरुओं का पुण्य स्मरण।
3. अशोक के फूल : निबन्ध संग्रह (कुल 10 निबन्ध)
   अशोक के फूल, वसंत आ गया, प्रायश्चित की घड़ी, मेरी जन्मभूमि, सावधानी की आवश्यकता, हमारी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली, भारतीय संस्कति की देन, आलोचना का स्वतन्त्र मान, साहित्यकारों का दायित्व, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

यह पेपर तीन भागों में विभाजित होगा। पहला प्रश्न व्याख्या से संबंधित होगा, जो अनिवार्य होगा। निर्धारित तीनों पाठ्य पुस्तकों में से व्याख्या के लिए छह प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। दूसरे भाग में सभी पाठ्यपुस्तकों/लेखक से संबंधित तीन दीर्घ प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ होंगे। तीसरे भाग में आठ लघु प्रश्न सभी पुस्तकों से बिना विकल्प के पूछे जायेंगे, जिनके उत्तर पांच–छह पंक्तियों तक सीमित होंगे।

अंक विभाजन
व्याख्या भाग : 7x3=21
तीन दीर्घ प्रश्न : 9x3=27
आठ लघु प्रश्न : 4 x 8 =32

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी – संपा. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथी राम यादव।
3. साहित्यकार और चिंतक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – राममूर्ति त्रिपाठी।
4. निबंधकार : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – डॉ. रवि कुमार 'अनु'।

Type Setting by : Computer Lab,
Department of Distance Education, Punjabi University, Patiala